Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

अंश वि- भाग न होगा चाहे पूर्वी देशांतर हो वा पश्चिमी क्योंकि पृथ्वी के गोले पर अक्षांश और देशांतर के अंश इस प्रकार विभाग किये हैं कि प्रथम मध्य दिवस भूमध्यरेखा को जिस बिंदु पर काटता है वहां से प्रत्येक ध्रुव तक प्रथम मध्य दिवस के ९० अंश किये हैं इस कारण से प्रथम मध्य दिवस के (अर्थात् वह वृत्तार्द्ध मध्यान्ह रेखा का जो ग्रीनिच शहर पर जाता है) १८० अंश होजाते हैं और वह अंश अक्षांश कहलाते हैं और फिर प्रथम मध्य दिवस के प्रत्येक अंश से भूमध्यरेखा के समानांतर वृत्त खींचने से और मध्यान्ह रेखाओं को भी भूमध्यरेखा से ध्रुवों तक दोनों ओर नव्वे २ अंश अर्थात् सब ३६० अंश हो जाते हैं। देशांतरों के अंशों को इस प्रकार बांटा है कि जिस बिंदु पर प्रथम मध्य दिवस भूमध्यरेखा को काटता है उसी बिंदु से आधी भूमध्यरेखा के १८० अंश पूर्व को और उसी बिंदु से दूसरी आधी रेखा के १८० अंश पश्चिम को किये हैं और फिर भूमध्यरेखा के प्रत्येक अंश से मध्यान्ह रेखा खींचने से और भूमध्यरेखा के समानांतर वृत्तों के भी प्रथम दिवस से पूर्व पश्चिम १८० हो जाते हैं। जो कि भूमध्यरेखा के समानांतर वृत्त परस्पर छोटे बड़े होते हैं इस कारण उनके अंशों की संख्या तो बराबर अर्थात् ३६० है परंतु परिमाण में न्यूनाधिक होते हैं इसलिये देशांतर के एक अंश का कुछ परिमाण नियत नहीं है जैसे अक्षांश का एक अंश ६९½ मील का होता है क्योंकि

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

अक्षांश का प्रत्येक अंश परिमाण में भी बराबर होता है। जो किसी स्थान के अक्षांश और देशांतरांश जानने हों तो उस स्थान से एक मध्यान्हरेखा और एक वृत्त, भूमध्यरेखा के समानांतर खींचो अब यह समानांतर वृत्त जिस अंश पर प्रथम मध्यदिवस को काटें वही संख्या अक्षांश की होगी और यह मध्यान्हरेखा भूमध्यरेखा को जिस अंश पर काटें वह संख्या देशांतरांश की होगी अथवा यह कि भूमध्यरेखा से इस खिंची हुई मध्यान्हरेखा के जिस अंश पर पूर्वोक्त स्थान हो वह संख्या अक्षांश की होगी और प्रथम मध्यदिवस से भूमध्यरेखा के इस खिंचे हुए समानांतर वृत्त के जिस अंश पर पूर्वोक्त स्थान हो वह संख्या देशांतरांश की होगी जैसे औत्तरीय अक्षांश ग्वालियर का २६ अंश और पूर्वी देशांतर ७८ अंश है और इसी रीत पर देहली, कलकत्तह, उज्जेन, मक्कह, तिहरान, पेकिन, जद्दो, कुस्तुन्तुनिया, समरकंद, लंदन, डबलन इन शहरों का अक्षांश और देशांतरांश नक़्शे में बताओ ॥

जो अक्षांश और देशांतरांश किसी देश का जानना हो तो उस देश के औत्तरीय और दाक्षिणीय छोरों से दो समानांतर वृत्त भूमध्यरेखा के खींचो अब जिन दो स्थानों पर वृत्त प्रथम मध्यदिवस को काटें उनके बीच में जितने अंश हों वह संख्या उस देश के अक्षांश की होगी और पूर्वी और पश्चिमी छोरों से दो मध्यान्हरेखा खींचो जिन दो बिन्दुओं पर यह मध्यान्हरेखा भूमध्यरेखा को काटें उनके बीच में जितने अंश हों वह संख्या उस देश के देशांतरांश की होगी जैसे अक्षांश और देशांतरांश हिन्दुस्तान और एशिया का ऊपर वर्णन किया ॥

D

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

जो किसी स्थान के अक्षांश और देशांतरांश जाने हुए हों तो उस स्थान को नक्शे में इस प्रकार ढूंढ़ो कि भूमध्यरेखा पर देशांतरांश गिन के एक मध्यान्हरेखा खींचो फिर इस मध्यान्हरेखा पर जाने हुए अक्षांश गिनो अब जहां यह अंश पूरे हों वही वाञ्छित स्थान होगा ॥

जो किसी दो स्थानों के अक्षांश और देशांतरांशों का अंतर जानना हो तो दोनों स्थानों के अक्षांश नक्शे में गिनो अब जो वे दोनों स्थान भूमध्यरेखा से एक ओर हों तो दोनों के अक्षांशों का अंतर निकालो और जो भूमध्यरेखा से दोनों ओर हों तो योग करो अब यह अंतर वा योग दोनों स्थानों के अक्षांशों का अंतर होगा और देशांतरांशों का अंतर इस प्रकार निकालो कि पहिले दोनों स्थानों का देशांतरांश नक्शे में देखो अब जो वे स्थान प्रथम मध्यदिवस से एक ओर हों तो देशांतरांशों की संख्या का अंतर करो और जो प्रथम मध्यदिवस के दोनों ओर हों तो योग करो परंतु योग करने में इस बात का ध्यान रक्खो कि योगफल १८० अंश से अधिक न हो जाय और कदाचित् यह योगफल १८० अंश से अधिक हो जाय तो इस योगफल को ३६० में से घटाओ फिर इस क्रिया करने से जो लब्धि हो वही पूर्वोक्त स्थानों के देशांतरांशों में अंतर होगा ॥

(प्रकट) हो कि जिन स्थानों का एक ही अक्षांश है वहां ऋतु और रात्रि दिन की संख्या एकसी होती है परंतु नदी पर्वतादि के कारण पवन पानी में अंतर होजाता है और जिन स्थानों के देशांतरांश तुल्य हैं उन में दो प्रहर, संध्या, प्रातःकाल एक ही समय होते हैं। जो एक स्थान का समय

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

जाना हुआ हो और किसी दूसरे स्थान का समय जानना हो तो इस प्रकार जानो कि पहिले दोनों स्थानों के देशांतरांशों का अंतर पूर्वोक्त रीति से जानो। और फिर जितने अंश का अंतर हो उस में १५ अंश पीछे एक घंटा वा एक अंश पीछे ४ मिनट के हिसाब से उसके समय में न्यूनाधिकता होगी जैसे कि एक स्थान किसी दूसरे स्थान से १० अंश पूर्व को है तो वहां ४० मिनट पहिले सूर्य्य उदय होगा और पश्चिम में ४० मिनट पीछे और जो दो स्थानों का समय जाना हुआ हो तो ४ मिनट पीछे १ अंश के हिसाब से उनके देशांतरांशों का अंतर होगा जैसे किसी स्थान में दूसरे स्थान की अपेक्षा एक घंटे पहिले सूर्य्य उदय होता हो तो वह स्थान पूर्वोक्त रीति से १५ अंश पूर्व को होगा ॥

जल और स्थल का वर्णन

संपूर्ण पृथ्वी पर $\frac{2}{3}$ से अधिक जल और $\frac{1}{3}$ से कम स्थल है अर्थात् पृथ्वी के गोले का संपूर्ण क्षेत्रफल १९ किरोड़ ६५ लाख मील वर्गात्मक है उस में ५ किरोड़ १० लाख मील वर्गात्मक स्थल है और शेष १४ किरोड़ ५५ लाख मील जल है ॥

स्थल समुद्र के जल से ऊंचा है क्योंकि स्थल की तल वि-सब नदियां बह कर समुद्र में गिरती हैं और जो भाग कि पानी नीचे की ओर बहता है इस से स्पष्ट है कि समुद्र का तल स्थल की अपेक्षा निचाव में है।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

समुद्र सब एक ही है परंतु पता लगने के कारण ५ भागों में बांटा है ॥

(१ पासिफ़िक महासागर) यह समुद्र बहुत बड़ा अमरीका के महाद्वीप और एसिया के बीच में है । इस समुद्र के पूर्वी तट पर कमिस्कटिका सागर, फ़ोर्निया खाड़ी, पानामा खाड़ी और पश्चिमी तट पर ओक्तस्क सागर, पीला सागर, स्याम की खाड़ी हैं (२ अटलांटिक महासागर) जिसको उक़ियानूस भी कहते हैं यह समुद्र अमरीका के महद्वीप से यूरोप और अफ़्रीक़ह तक चला गया है । इस समुद्र के पूर्वी तट पर बाल्तक सागर फ़िनलेंड की खाड़ी जबलतारक़ का मुहाना जो रूम सागर को मिलाता है गिनी की खाड़ी और पश्चिमी तट पर देवस का मुहाना मकसीकू की खाड़ी कार्बीन सागर, द्वीप समूह सागर हैं (३ हिन्द का महासागर) यह समुद्र अफ़्रीक़ह से लेके इस्ट्रेलिया के द्वीप तक और हिन्दुस्तान से दाक्षिणीय महासागर तक है इसके प्रसिद्ध भाग क़ुल्ज़म सागर, उम्मा वा अ़रब का सागर बंगाले की खाड़ी हैं (४ औत्तरीय हिम महासागर) औत्तरीय ध्रुव के चारों ओर है यह महासागर बेरिंग मुहाने के द्वारा जो नई पुरानी दुनिया के बीच में है पासिफ़िक़ महासागर से मिलता है । इसके प्रसिद्ध भाग श्वेत सागर ओबी सागर हैं (५ दाक्षिणीय हिम महासागर) जो दक्षिण ध्रुव के चारों ओर है इस में कोई प्रसिद्ध खाड़ी नहीं हैं । दो पिछले महासागरों का पानी शरदी से जम कर हिम बना रहता है जो ध्रुवों के समीप है वह तो कभी नहीं गलता और शेष ग्रीष्म ऋतु में जहां कहीं गलता है तो हिम के बड़े २ टुकड़े पर्वतों के सदृश पानी के ऊपर तैरने लगते हैं । जहाज़ों को इन समुद्रों

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

में बड़ा भय रहता है। समुद्र का जल खारी और कड़ुवा है परंतु अत्यंत ही स्वच्छ और नीला है परंतु किनारों के समीप का जल हरापन लिये होता है। कहीं समुद्र बहुत गहरा और कहीं थोड़ा परंतु बहुधा समुद्र की गहराई आधे मील की बिचारते हैं॥

पृथ्वी के गोले के दो समान भाग इस प्रकार किये हैं एक पूर्वी गोलार्द्ध जिसका देशांतर २० अंश पश्चिमी से पूर्व को १६० अंश पूर्वी तक अर्थात् सब १८० अंश स्थल वि-
और दूसरा पश्चिमी गोलार्द्ध जिसका देशांतर २० भाग
अंश पश्चिमी से पश्चिम को १६० अंश पूर्वी तक अर्थात् सब १८० अंश है॥

स्थल के दो बड़े भाग दो महाद्वीप कहलाते हैं और शेष छोटे २ द्वीप सब से बड़ा भाग इस स्थल का वह बड़ा महाद्वीप है जो पूर्वी गोलार्द्ध में है और उसको पुरानी दुनिया कहते हैं इस कारण कि प्राचीन समय से दुनिया के मनुष्य इस भाग को जानते हैं। इस महाद्वीप के उत्तरीय छोर पर सिवरू अंतरीप और दक्षिणीय ओर पर गुड़होप अंतरीप है और पश्चिमी छोर पर बर्ड अंतरीप और पूर्वी छोर पर पूर्वी अंतरीप है। रूम सागर और क़ुल्ज़म सागर के मध्य में आजाने के कारण इस महाद्वीप के दो भाग हो गये हैं जिनको स्वीज का डमरूमध्य मिलाता है॥

दूसरा भाग स्थल का वह महाद्वीप है जो पश्चिमी गोलार्द्ध में है और इसको नई दुनिया कहते हैं इस

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

कारण सन् १४९२ ईसवी में यह भाग जाना गया है। यह महाद्वीप उत्तर से दक्षिण को चला गया है और कार्बीन सागर और मकसीकू की खाड़ी के मध्य में आजाने के कारण इस महाद्वीप के दो भाग होगये हैं जिनको डारैन वा पानामा डमरुमध्य मिलाता है। इस महाद्वीप के दाक्षिणीय छोर पर होर्न अंतरीप और पूर्वी छोर पर सेंटरोक अंतरीप और पश्चिमी छोर पर प्रिन्स आफ़वेल्ज़ अंतरीप है। पूर्वोक्त दो महाद्वीपों के बिना पृथ्वी पर और बहुतसे द्वीप हैं जिन में से प्रसिद्ध प्रसिद्ध नीचे लिखे जाते हैं॥

दुनिया के प्रसिद्ध द्वीप

औत्तरीय हिम महासागर में ग्रीनलेंड, आयसलेंड, इस्पिटज़बर्गन, नवाज़िम्बला। औत्तरीय अटलांटिक। महासागर में ग्रेटब्रिटन, आयरलेंड। अमरीका के किनारे पर न्यफूं डलेंड। कार्बीन सागर में वेस्टंडीज़ अर्थात् पश्चिमी हिन्दुस्तान के द्वीप। हिन्दुस्तान के दाक्षिणीय कोण पर सीलान वा लंका॥

पासिफ़िक महासागर में एशिया के पूर्वी तट पर सिंघालीन, जापान के द्वीप और चीन के द्वीप और इनके दक्षिण में मलेशिया द्वीप अर्थात् पूर्वी हिन्दुस्तान के द्वीप परंतु इन में से कुछ पासिफ़िक महासागर और कुछ हिन्द के महासागर में हैं। मलेशिया द्वीपों के दक्षिण में आस्ट्रलेशिया के द्वीप हैं॥

पूर्वी महाद्वीप के बड़े भाग एशिया, यूरोप, अफ़्रीक़ह यह३ हैं और पश्चिमी महाद्वीप के दो भाग बडे औत्तरीय अमरीका और दाक्षिणीय अमरीका हैं। इन भागों को छोड़ पृथ्वी पर एक भाग ओशियानीकह है जिस में आस्ट्रलेशिया, मलेशिया

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

पौलनएशिया के द्वीप हैं जैसे कि सब भागों का वर्णन ब्योरेवार आगे होगा इन सब भागों और द्वीपों में ६० किरोड़ के अनुमान मनुष्य बस्ते हैं जिन में से २५ किरोड़ के अनुमान ईसाई और ३५ किरोड़ बौद्धमत और १० किरोड़ मुसलमान और १० किरोड़ हिन्दू और शेष १० किरोड़ में भिन्नमत हैं। इन सब की भाषा दो हज़ार के अनुमान हैं॥

स्थल के बड़े बड़े खंडों का वर्णन

१ एशिया का वर्णन

इस खण्ड का वर्णन प्रथम हो चुका अब वर्णन की कुछ आवश्यकता नहीं है॥

यूरोप का वर्णन

यूरोप के उत्तर में औत्तरीय हिम महासागर और पश्चिम में अटलांटिक महासागर और दक्षिण में रूमसागर और पूर्व में द्वीप समूह सागर मारमोरा सागर, कुस्तुन्तुनिया का मुहाना, काला सागर, क़ाफ़ पर्वत यूराल पर्वत कारा नदी हैं॥ सीमा

औत्तराय अक्षांश ३६ अंश से ७२ अंश तक और देशांतर पश्चिमी १० अंश से पूर्वी ७० अंश तक॥

यूरोप के औत्तरीय छोर पर औत्तरीय अंतरीप वा नार्थकेप और दाक्षिणीय छोर पर पट्टाट रीफ़ा नाम अंतरीप जो जबल्तारक़ के मुहाने में है और मटापीन अंतरीप जो यूनान में है और पश्चिमी छोर पर

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

सेंटवेसेंट अंतरीप फ़िनस्टर अंतरीप और पूर्वी छोर पर यूराल पर्वत। यद्यपि यूरोप स्थल के सब भागे से छोटा है परंतु वहां के निवासियों की चतुराई के कारण अधिक प्रसिद्ध है॥

यूरोप में बहुधा लोहे, तांबे, जस्त, कोयले, चूने के पत्थर की खानें कार्य्यसाधक लाभकारी हैं॥

यूरोप के पर्वत

नाम पर्वत	ठिकाना	उंचाई फ़ुटे में
अल्पस	इटली के उत्तर में	१५७३२
पिरिनेयज़	हस्पानियां के उत्तर में	११५००
अपीनाईनस	इटली में	६५००
कार्पेथिन	इस्टिरिया में	८५००
वाल्कन	रूम में	६०००
दफ़्रन	स्वीडन के उत्तर में	८४००
इटना	सिस्ली में	१०६००
विस्वेस	इटली में	३६००
हलका	आयसलेण्ड में	५२००

यूरोप की प्रसिद्ध नदियां

(१ वल्गा) व अटल जो रूम देश में २३०० मील बहकर खिज़र सागर में गिरती है (२ दानूव) जो अलेमान, इस्टिरिया रूम देशों में २२०० मील बहकर काले सागर में गिरती है॥

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

यूरोप के प्रसिद्ध सागर और खाड़ियां

दक्षिण की ओर अज़फ़ सागर, काला सागर, मारमोरा सागर, रूम का सागर और पश्चिम में वस्की खाड़ी, हात्सी खाड़ी वा जर्मनी सागर, बालतक सागर और उत्तर में श्वेत सागर ॥

यूरोप सम्बन्धी द्वीप

अटलांटिक महासागर में आयसलेण्ड, ग्रेटब्रिटन के द्वीप, फ़ीरू के द्वीप, अज़ोर्ज़ के द्वीप, और रूम सागर में बलियार्क के द्वीप सार्डनिया, कोर्सीका, इल्ग, सिस्ली, माल्ता, आईडनिया के द्वीप गेडिया और बाल्तक सागर में ज़ीलेण्ड फ्यूनन, गोटलेण्ड और औत्तरीय हिम महासागर में नवाज़िम्बला, इस्फ़िटज़वर्गन है ॥

यूरोप के देश

यूरोप में १७ देश हैं जिनका वर्णन संक्षेप रीति से किया जाता है और प्रत्येक देश की चारों सीमा और राजधानी आदि का ब्यौरा आगे लिखे हुए यंत्र से बिदित होगा ॥

(१ ग्रेटब्रिटन) यह देश बहुत से द्वीपों से संयुक्त है जिनमें से ग्रेटब्रिटन और आयरलेण्ड २ बड़े द्वीप हैं। ग्रेटब्रिटन के औत्तरीय भाग को स्काटलेण्ड कहते हैं जिसका प्रधान स्थान इडनबरा है यह पहाड़ी देश है इस में झील नदी बहुत हैं। पश्चिमी भाग को (वेल्ज़) कहते हैं यह भी पर्वती देश है ॥

दाक्षिणीय भाग को (इंगलेण्ड) वा इंगलिस्तान कहते हैं इसकी पृथ्वी स्काटलेण्ड और वेल्ज़ की अपेक्षा समधरातल रूप है इसकी राजधानी लन्दन शहर टेम्स नदी के दोनों

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

और ४० मील के घेरे में बस्ता है यह शहर पृथ्वी भर के शहरों से अच्छा है इस में ३० लाख मनुष्य बस्ते हैं और हिन्दुस्तान से ६००० मील के अंतर पर है। (आयरलेगड) यह एक द्वीप अलग है इसकी पृथ्वी ऊंची नीची है और कहीं दलदल है। इंगलेगड के प्रसिद्ध शहरों में से वर्मनघाम शफ़ील्ड लोहे और फ़ौलाद की वस्तुओं के बनने में प्रसिद्ध है और मानचस्टर पेज़ली गिलासगो, इन शहरों में मलमल, ख़ासा आदि रूई के बस्त्र बनते हैं और इसी प्रकार उसके और शहरों में किसी में बनात और किसी में रेशमी बस्त्र आदि कलों से बनाये जाते हैं। इंगलेगड के निवासियों को अंगरेज़ कहते हैं जिनका राज्य आज कल हिन्दुस्तान में है। ब्रिटन का राज्य यूरोप के सब राज्यों से बलवान् है॥

(२ फ़्रांस) पवन पानी यहां का साधारण और पृथ्वी उपजाऊ है इस देश में मदिरा और रेशम के बस्त्र बहुत अच्छे होते हैं॥

(३ बिल्जियम्) इस देश में अन्न बहुतायत से उत्पन्न होता है और यहां कांच पर रंगत बहुत अच्छी की जाती है और कतां के महीन कपड़े और चित्र अच्छे बनते हैं॥

(४ हालेगड) इस देश के मनुष्य बहुधा व्योपारी और महाजन हैं॥

(५प्रूशिया) इस देश के मनुष्य बलवान् शूरबीर हैं परंतु खेती का काम थोड़ा जानते हैं॥

(६ जर्मनी) इसको अलेमान भी कहते हैं यहां के लोग सीधे स्वभाव और शूरबीर विद्यावान और विद्या के रचनेवाले हैं। इस देश में ४ भाग इस क्रम से हैं (१ हुनोवर) जिसका

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

प्रधानस्थान हुनोवर है (२ वरटमवर्ग) जिसका मुख्य स्थान इस्टट गार्ड (३ व्यूरियह) जिसका प्रधानस्थान शूनज (४ सेक्सनी) जिसका प्रधानस्थान ड्रसडन है ॥

(७ इस्टरिया) इस देश की पृथ्वी उपजाऊ और खाने की बस्तुएं श्रेष्ठ हैं ॥

(८डन्मार्क) इस में बहुतसे द्वीप हैं जिन में से ज़ीलेण्ड, फ्यूनन, लेलेण्ड, फ़ालिस्टर, आयसलेण्ड, बेनहूम यह ६ बड़े द्वीप हैं और एक द्वीपों का समूह है जिनका नाम फ़ारू के द्वीप हैं ॥

(६ स्वीडन) इस देश में आठ नौ महीने तक जाड़ा रहता है और रूपा, तांबा, सीसह, लोहा, चमड़ा, चर्बी इस देश की व्योपार की वस्तुएं हैं ॥

(१० स्वीटज़रलेण्ड) इस देश में पर्बत और भील बहुत हैं और पर्बत की शिखाओं पर हिम सदैव जमा रहता है ॥

(११ नार्वे) इस देश की लकड़ी, लोहा, तांबा व्योपार की बस्तु हैं ॥

(१२ फ़रिंगस्तानीरूस) रूस देश इतना बिस्तृत है कि संपूर्ण पृथ्वी पर इसकी बराबर कोई देश नहीं है। संपूर्ण एशिया और यूरोप के उत्तर ओर यह देश है परंतु बहुधा बड़े २ मैदान और जंगल इस में हैं केवल बीच में और दक्षिण की ओर खेती होती है। रेशम, चमड़ा, चर्बी, ऊन के बस्त्र इस देश में व्योपार की बस्तु हैं ॥

(१३ फ़रिंगस्तानीरूम) रेशम, साबर, क़ालीन इस देश में व्योपार की बस्तु हैं ॥

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

(१४ यूनान) यह देश कई बर्ष तक रूमवालों के अधिकार में रहा परंतु अब १८३३ ईसवी से अलग राज्य होगया है ॥

(१५ इटली) इस देश में नौ सूबे जैसे सार्डेनिया, नेप्लज़, टस्कनी, लामवर्डी पापा के अधिकारी देश आदि के थे परंतु अब सन् १८६१ ई० से यह सब पापा के अधिकारी देशों बिना सार्डेनिया के बादशाहत के अधिकार में होकर एक राज्य इटालियह के नाम से होगया है। कपास, मदिरा, चीनी इस देश की व्यौपार की बस्तु हैं ॥

(१६ हस्पानिया) यह देश प्रायद्वीपाकार है यहां के मनुष्य परीक्षाकारी हैं इस देश में मायर्क़ह, मनर्क़ह, अबज़ह यह तीन द्वीप हैं ॥

(१७ पुर्तगाल) इस देश के मनुष्य व्यौपार में बड़े चतुर हैं यहां उस प्रकार के वृक्ष बहुतायत से होते हैं जिनकी छाल से बोतलों के काक बनाये जाते हैं इस देश में अंगूर की मदिरा और जैतून के तेल का बड़ा व्यौपार होता है ॥

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

यूरोप के देश

	देश का नाम	चारों सीमा				राजधानी	क्षेत्रफल वर्गात्मक माल	मनुष्य संख्या
		उत्तर	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम			
१	ब्रिटन	औत्तरीयहिममहासागर	जर्मनीसागर	इंग्लिशचानल	आपर्श चानल, सेंटजार्जचानल	लण्डन	८७६००	२३१०००००
	आयरलेण्ड	अटलांटिक महासागर	आयरलेण्ड का सागर	अटलांटिक महासागर	अटलांटिक महासागर	डवलन	३१७४१	८२०००००
२	फ़्रांस	विल्ज़ियम	जर्मनी, स्वीटज़रलेण्ड, इटली	पिर्नियज़पर्वत, रूम का सागर	विसकी खाड़ी	पेरस	२०५०००	३६०६००००
३	विलज़ियम	हालेण्ड	प्रूशिया	फ़्रांस	जर्मनी सागर	कर्सिल्स	१२०००	४५०००००
४	हालेण्ड	जर्मनी सागर	प्रूशिया, हुनोवर	विल्ज़ियम	जर्मनी सागर	अमिस्टरडाम	१३१०६	३३०००००
५	प्रूशिया	जर्मनी सागर	पूलेण्ड, रूस	जर्मनी इस्टरिया।	हालेण्ड, विल्ज़ियम्	वर्लन	१०७८००	१६२०००

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

(१४ यूनान) यह देश कई बर्ष तक रूमवालों के अधिकार में रहा परंतु अब १८३३ ईसवी से अलग राज्य होगया है ॥

(१५ इटली) इस देश में नौ सूबे जैसे सार्डेनिया, नेप्लज़, टस्कनी, लामवर्डी पापा के अधिकारी देश आदि के थे परंतु अब सन् १८६१ ई० से यह सब पापा के अधिकारी देशों बिना सार्डेनिया के बादशाहत के अधिकार में होकर एक राज्य इटालियह के नाम से होगया है। कपास, मदिरा, चीनी इस देश की व्यौपार की बस्तु हैं ॥

(१६ हस्पानिया) यह देश प्रायद्वीपाकार है यहां के मनुष्य परीचाकारी हैं इस देश में मायर्क़ह, मनर्क़ह, अबज़ह यह तीन द्वीप हैं ॥

(१७ पुर्तगाल) इस देश के मनुष्य व्यौपार में बड़े चतुर हैं यहां उस प्रकार के वृत्त बहुतायत से होते हैं जिनकी छाल से बोतलों के काक बनाये जाते हैं इस देश में अंगूर की मदिरा और जैतून के तेल का बड़ा व्यौपार होता है ॥

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

यूरोप के देश

	देश का नाम	चारों सीमा				राजधानी	क्षेत्रफलवर्गात्मक माल	मनुष्यसंख्या।
		उत्तर	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम			
१	ब्रिटन	औत्तरीयहिममहासागर	जर्मनीसागर	इंग्लिशचानल	आयर्श चानल, सेंटजार्जचानल	लण्डन	८७६००	२३१०००००
	आयरलेण्ड	अटलांटिक महासागर	आयरलेण्ड का सागर	अटलांटिक महासागर	अटलांटिक महासागर	डवलन	३१७४१	८२०००००
२	फ़्रांस	विल्ज़ियम	जर्मनी, स्वीटज़रलेण्ड, इटली	पिर्नियज़पर्वत, रूम का सागर	विसकी खाड़ी	पेरस	२०५०००	३६०८००००
३	विलज़ियम	हालेण्ड	प्रूशिया	फ़्रांस	जर्मनी सागर	कर्सिल्स	१२०००	४५०००००
४	हालेण्ड	जर्मनी सागर	प्रूशिया, हुनोवर	विल्ज़ियम	जर्मनी सागर	अमिस्टरडाम	१३१७६	३३०००००
५	प्रूशिया	जर्मनी सागर	पूलेण्ड, रूस	जर्मनी इस्टरिया।	हालेण्ड, विल्ज़ियम्	वर्लन	१०७८००	१६२०००

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

	देश का नाम	चारों सीमा				राजधानी	क्षेत्रफल वर्गात्मक मील	मनुष्य संख्या
		उत्तर	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम			
६	जर्मनी	जर्मनी सागर, डनमार्क	इस्टरिया, रूस	इस्टरिया, इटली स्वीटज़रलेगड	हालेंड बिलज़ियम फ्रांस	०	६४०००	१६२०००००
७	इस्टरिया	प्रूशिया, रूस	रूम, रूस	इटली, रूम	इटली स्वीटज़रलेंड जर्मनी	बयाना	२६००००	३००००००
८	डनमार्क	इस्कायेक का मुहाना	कटी गेट का मुहाना, बाल्टक सागर	जर्मनी	जर्मनी सागर	कोपिनहोंगन	२२६८०	३००००००
९	स्वीडन	औत्तरीयहिममहासागर	रूस, बाल्टक सागर	बाल्टक सागर	नार्वे	स्टाकहेल्म	१७०१००	३२०००००
१०	स्वाटज़रलेंड	जर्मनी	इस्टरिया	इटली	फ्रांस	बरन	१५२५०	२४०००००
११	नार्वे	औत्तरीयहि. ममहासागर	स्वीडन	इस्कागेट का मुहाना	अटलांटिक महासागर	कृष्टियाना	१३४३०६	४०००००

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

देश का नाम	चारों सीमा				राजधानी	क्षेत्रफलवर्गात्मक मील	मनुष्य संख्या
	उत्तर	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम			
फ़रिंगस्तानी रूस	औत्तरीयहिममहासागर	एशिया	रूम, काला सागर	स्वीडन, प्रशिया, इस्टरिया	सेण्टपीटर्स वर्ग	८०५००००	२०७००००
फ़रिंगस्तानी रूम	इस्टरिया रूस	मार मोरा सागर काला सागर	यूनान	इड्रियाटक सागर	कुस्तुन्तुनिया	१८००००००	१८००००००
यूनान	रूम	द्वीप समूह सागर	रूम का सागर	रूम का सागर	इथेनी	१००००००	१००००००
इटली	अल्पस पर्वत	इड्रियाटक सागर	रूम का सागर	फ्रांस, रूम का सागर	ल्यरन	२३५००००	२३५०००००
हस्पानिया	बस्की खाड़ी फ्रांस	रूम का सागर	रूम का सागर	अटलांटिक महासागर, पुर्तुगाल	मेडर्ड	१८२६००	१४३०००००
पुर्तुगाल	हस्पानिया	हस्पानिया	अटलांटिक महासागर	अटलांटिक महासागर	लिखन	३६६५००	३८१०००००

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

३ अफ़्रीक़ह का वर्णन

अफ़्रीक़ह यूरोप के दक्षिण और एशिया के दक्षिण पश्चिम में है। इसके उत्तर में रूम सागर और दक्षिण में हिन्द का महासागर, अटलांटिक महासागर, कुल्ज़म सागर, स्वीज़ का डमरूमध्य जिसकी चौड़ाई ६० मील है और पश्चिम में अटलांटिक महासागर है। यह भाग प्राय द्वीपाकार है जो पुरानी दुनिया के और भागों से मिलता है॥

अक्षांश दाक्षिणीय ३५ अंश से औत्तरीय ३६ अंश तक और देशांतर पश्चिमी १८ अंश से पूर्वी ५१ अंश तक है। बहुधा भाग इसका पृथ्वी के उष्ण कटिबंध में है क्योंकि मध्यरेखा उसके मध्य में होके गई है। अफ़्रीक़ह के औत्तरीय छोर पर बोन अंतरीप और दाक्षिणीय छोर पर गुडहोप अंतरीप और पश्चिमी छोर पर वर्ड अंतरीप और पूर्वी छोर पर ग्वारडाफ़ू अंतरीप। अफ़्रीक़ह में बहुतसी धरती रेतली है यहां का रेत ग्रीष्म ऋतु में ऐसा तप्त हो जाता है जैसा भाड़ की बालू यहां के बहुधा मनुष्य हब्शी और मूर्तिपूजक हैं परंतु कुल्ज़म सागर और रूम सागर के समीप के रहनेवाले अरब के निवासियों से मिलते हैं॥

पर्वत प्रसिद्ध पर्वत इस में ३ हैं १ अतलस जिसकी श्रेणी रूम सागर के सन्मुख है २ हब्श पर्वत जो पूर्वी अफ़्रीक़ह में हैं ३ क़मर पर्वत जो मध्य अफ़्रीक़ह में है॥

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

यहां की प्रसिद्ध नदियों में से १ नील नदी जो विक्टोरिया नियांज़ह नाम झील से (जिसकी ठीक औत्तरीय सीमा पर मध्यरेखा है) निकलकर नोबिया और मिस्र देश में दो हज़ार मील बहकर रूमसागर में जागिरी है। इसके चढ़ाव से बहुधा नीचे स्थानों में खेती होती है। सेनीगल, गंबिया, नयजा यह ३ नदियां पश्चिमी अफ़्रीक़ह में और अरंज नदी दाक्षिणीय अफ़्रीक़ह में प्रसिद्ध हैं ॥ नदी

अफ़्रीक़ह के संबंधी द्वीप इस क्रम से हैं कि हिंद के महासागर में मदग़ास्कर बहुत बड़ा द्वीप अफ़्रीक़ह की आग्नेय दिशा में है और अटलांटिक महासागर में कनरी द्वीप, मडेरा, सेंटहलीना। यद्यपि सेंटहलीना बहुत छोटा द्वीप है परंतु बहुत प्रसिद्ध है बहुधा जहाज़ यहां आकर ठहरते हैं। अफ़्रीक़ह में ब्योपार की बस्तुएं सोना, गोंद, हाथीदांत, चमड़ा, दास हैं परंतु दासों का बेचना अंगरेज़ी व्यवस्था के अनुसार बर्जित है ॥ द्वीप

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

	देश का नाम	ठिकाना	राज-धानी	क्षेत्रफल वर्गात्मक मील	मनुष्य संख्या	
१	मिस्र	रूम सागर के उत्तर में	क़ाहिरा	१५००००	२५००००००	
२	नोविया	मिस्र के दक्षिण में	सनार	०	४०००००	
३	हब्श	नोविया के दक्षिण में	गोंडार	३०५०००.	३५००००००	
४	बरबर	बड़े जंगल के उत्तर में	मराकू	३०००००	११००००००	
५	महा जंगल	बरबर के दक्षिण में	०	२५००००००	०	मध्य अफ़्रीक़ह
६	सूदान	महाजंगल के पूर्व में	टंबकटू	०	०	
७	सेनीगंबिया	महाजंगल के दक्षिण में	०	०	०	
८	पूर्वी अफ़्रीक़ह	हब्स के दक्षिण में	सिफ़ाला	०	०	
९	केपकालोनी	काफ़िरस्तान के पश्चिम में	केपटौन	१३००००	१८००००	दक्षिणीय अफ़्रीक़ह
१०	क़ाफ़िरस्तान	केपकालोनी के पूर्व में	०	०	०	
११	मिसकन विचवीना	केपकालोनी के उत्तर में	०	०	०	

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

४ अमरीका का वर्णन

अमरीका दो प्रायद्वीपाकार हैं एक को उन में से औत्तरीय अमरीका और दूसरे को दाक्षिणीय अमरीका कहते हैं और ये दोनों कार्बीन सागर और मस्कीकू की खाड़ी के बीच में आजाने के कारण आपस में जुदे हो गये हैं परंतु पानामा वा डरैन का डमरुमध्य एक स्थान पर दोनों को मिलाता है। अमरीका के चारों ओर समुद्र है। इस महाद्वीप को इटली देशीय कलम्बस ने १४९२ ई० में जाना था इस से पहिले किसी ने इसको न जाना था। अमरीका में सोने, चांदी, तांबे की खानि बहुतायत से हैं। गाय, घोड़ा, भेड़, बकरी की उत्पत्ति पुरानी दुनिया से अमरीका में आई है। यहां एक पशु जिसका नाम लामा है ऊंट की सदृश परंतु डील में छोटा होता है और इसकी ऊन से अल्पाका बुना जाता है। संपूर्ण बासी ४ किरोड़ ९० लाख जिन में से ठेठ निवासी यहां के ८० लाख और शेष इंगलिस्तान आदि देशों के हैं। यहां के ठेठ निवासियों का मत कुछ नहीं परंतु केवल स्रष्टा को जानते हैं और और शेष ईसाई हैं॥

औत्तरीय अमरीका का वर्णन

इसका पश्चिमी देशांतर ५४ अंश से १०० अंश तक और औत्तरीय अक्षांश, ७ अंश से ७५ अंश तक॥

इस में ४ प्रसिद्ध पर्वत हैं १ रौका पर्वत जो पर्वत ब्रिटिश अमरीका और सूबेजात मुत्तहद में उत्तर

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

दक्षिण है २ मस्कीकू पर्वत जो मस्कीकू और ग्वाटिमला देशों में है ३ कीली फ़ोर्निया पर्वत जो कीली फ़ोर्निया देश में है ४ अबेग़ेती पर्वत जो सूबेजात मुत्तहद में है ॥

नदी — प्रसिद्ध नदियां इस में सेंटलार्न्स, हिदसन, पटूमक, डिलावार, मसीसपी यह ५ हैं जिन में से मसीसपी नदी संपूर्ण पृथ्वी की नदियों से लंबी है अर्थात् ४२०० मील है ॥

खाड़ी — इस में प्रसिद्ध खाड़ी इस क्रम से हैं उत्तर की ओर बिफ़न, हिदसन, सेंटलार्न्स यह ३ खाड़ी हैं और दक्षिण में डिलावार, मस्कीकू, केम्पची, कीलीफ़ोर्निया यह चार खाड़ी हैं ॥

द्वीप — प्रसिद्ध द्वीप इस में क्रम से हैं कि औत्तरीय हिम महासागर में ग्रीनलेण्ड, आयसलेण्ड, मिलविल यह ३ द्वीप और अटलांटिक महासागर में न्यूफूडलेंड, रासब्रीटन यह द्वीप और पासफ़िक महासागर में बिपनक्रुवर्ज़, मल्कहशार्ल्ट ॥

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

औत्तरीय अमरीका के देश

	देश का नाम	ठिकाना	राजधानी	क्षेत्रफल वर्गात्मक मील	मनुष्य संख्या
१	ब्रिटिशअमरीका	बिफ़न की खाड़ी के दक्षिण में	टूरानटू	२५०००००	२६०००००
२	रूसियों की अमरीका	औत्तरीयहिममहासागर के दक्षिण में	०	३७१०००	६६०००
३	डनमार्कियों की अमरीका	बिफ़न की खाड़ी के पूर्व में	०	५००००	५७०००
४	सूबेजात मुत्तहद	ब्रिटिशअमरीका के दक्षिण में	०	२५०००००	१७००००००
५	मक्सीकू	सूबेजात मुत्तहद के दक्षिण में	मक्सीकू	१२०००००	७००००००
६	ग्वाटिमला	मक्सीकू के दक्षिण में	ग्वाटिमला	२५००००	२०००००

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

दाक्षिणीय अमरीका का वर्णन

इसका पश्चिमी देशांतर ३५ अंश से ८१ अंश तक और अक्षांश दाक्षिणीय ५६ अंश से औत्तरीय १२ अंश तक ॥

नदी — इस में नदियां बहुत और बड़ी हैं सब से बड़ी एक नदी इस में अमज़न जिसकी लंबाई ४००० मील और चैाड़ाई इस नदी की पृथ्वी भर की संपूर्ण नदियों से अधिक और मुहरी पर क़ाम १८० मील है और इतनी प्रबलता से समुद्र में गिरती है कि २०० मील समुद्र का जल मीठा होजाता है ॥

पर्वत — पर्वत इस में बहुत ऊंचे २ हैं उन में से इंडस वा केडुर्ल पर्वत जो दक्षिण से उत्तर को पासिफ़िक महासागर के सन्मुख चलागया है बहुत लम्बा है ॥

खाड़ी — इस में ३ खाड़ी प्रसिद्ध हैं उत्तर में डारैन की खाड़ी, पानामा की खाड़ी और पूर्व में पारिया खाड़ी ॥

द्वीप — प्रसिद्ध द्वीप इस में इस प्रकार हैं कि अटलांटिक महासागर में लिवर्ड के द्वीप, वेंडवर्ट के द्वीप, फ़ाक-लेंड के द्वीप, और पासिफ़िक महासागर में चिलो के द्वीप और दाक्षिणीय हिम महासागर में ग्रेहमलेंड के द्वीप, ट्रिड़लफ़िगो। ट्रिड़लफ़िगो अमरीका के दक्षिण में है और शीतता और बायु की अधिकता के कारण बस्ता नहीं और इस में जंगल के जंगल हिम की अधिकता के कारण ऐसे बिदित होते हैं जैसे बहुत से पर्वत ज्वालामुखी होते हैं और इसी कारण इस द्वीप, को ट्रिडल फ्यूगो अर्थात् अग्नि की खानि कहते हैं ॥

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

दक्षिणीय अमरीका के देश

	देश का नाम	ठिकाना	राजधानी	क्षेत्रफल वर्गात्मक मील	मनुष्य संख्या
१	कुलंबिया	उत्तरकी ओर	केटो	११००००००	३२०००००
२	पीरू	कुलंबिया के दक्षिण में	लायमा	५०००००	१७०००००
३	बुलविया	पीरू के दक्षिण में	चिकोसिक	४०००००	१००००००
४	चिली	पीरू के दक्षिण में	सेएठ अगो	१७००००	१५०००००
५	लाप्लैटा	बुलबिया के दक्षिण में	व्यूनस एअर्ज़	६०००००	१००००००
६	डरैगो	लप्लैटा के पूर्व में	मांडिरिडूड	१०००००	१५००००
७	ज़ेल	कुलंबिया के दक्षिण में	रिपूडेजनरो	२७००००	७०००००
८	पटिगोनिया	लाप्लैटा के दक्षिण में	०	३५००००	०
९	ग्वाला	ब्रजिल के पूर्व में	०	१५०००	२००००
१०	प्रैगो	लाप्लैटा के ईशान में	स्मपशन	१०००००	३०००००

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

वेस्टइण्डीज़ अर्थात् पश्चिमी हिन्दुस्तान के द्वीप

ये द्वीपों के कई समूह औत्तरीय और दाक्षिणीय अमरीका के बीच में पूर्वी तट पर हैं इनको पश्चिमी हिन्दुस्तान इस कारण कहते हैं कि जब कलम्बस वहां पहुंचा तो उसने यह जाना कि यह देश पूर्वी हिन्दुस्तान से मिला है इस कारण उसने इनका नाम पश्चिमीय हिन्दुस्तान ठैराया वही नाम आज तक चला आता है। इन द्वीपों में मुख्य ५ समूह इस क्रम से हैं १ बहिमज़ जो इंगलिस्तान के अधिकार में है २ बड़ा इंटलज़ इस में क्यूबा जमीका, हेटी, पोर्टरीकू, यह ४ बड़े द्वीप हैं। क्यूबा हस्पा-निया के अधिकार में और जमीका इंगलिस्तान के और हेटी निज निवासियों के अधिकार में है और पोर्टरीकू इस्पेनवालों के अधिकार में। ३ छोटा इंटलज़ यह हालेण्ड के अधिकार में ४ वर्जन के द्वीप जिन में से आधे इंगलिस्तान के अधिकार में। और आधे डन्मार्क के। ५ कार्बीन के द्वीप जिन में से आधे, इंगलिस्तान के अधिकार में और आधे शेष फ्रांस और हालेण्ड के अधिकार में। इन समूहों में गरम मसाले, ईख, रूई, बुन ये बस्तुएं उत्पन्न होती हैं और बहुधा फ़रिंगस्तान में इन्हे द्वीपों से जाती हैं॥

ओशियानीका के द्वीपों का वर्णन

ओशियानीका के द्वीपों को ३ भागों में बिभाग किया १ आस्ट्रलेशिया के द्वीप २ मलेशिया ३ पौलेनेशिया अब प्रत्येक का वर्णन क्रम से आगे किया जाता है॥

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

आस्ट्रलेशिया का वर्णन

आस्ट्रलेशिया कई द्वीपों के समूह का नाम है जिनका संक्षिप्त वर्णन लिखते हैं॥

१ आस्ट्रेलिया यह द्वीप संपूर्ण पृथ्वी के द्वीपों से बड़ा है। अंगरेज़ों ने इस द्वीप में बहुतसे शहर बसाये हैं। यहां की पृथ्वी अत्यंत उपजाऊ और इस में तांबे, सीसे, लोहे की खानि हैं। इन दिनों यहां सुवर्ण भी बहुतायत से मिलता है। श्वेत उक़ाब काला राजहंस यहां होते हैं हिंसक पशु यहां उत्पन्न नहीं होते। एक अद्भुत पशु जिसका नाम क्रिंगरू है यहां होता है इसका आकार कुछ गिलहरी का सा और डील मनुष्य से अधिक और उसके पेट का चर्म झोली सा होता है जिस में भय के समय अपने बच्चों को रख लेता है। यहां के मनुष्य जंगली और मनुष्यभक्षक हैं॥

२ न्यूगनी यह बहुत बड़ा द्वीप आस्ट्रेलिया के उत्तर ओर है॥

३ वेण्डमेज़लेण्ड यह द्वीप आस्ट्रेलिया के दक्षिण में कुछ अंतर पर है। इस द्वीप में लोहे, तांबे, फिटकरी, लूण, कंकर की खानि हैं। यहां पर स्लेट का पत्थर बहुतायत से होता है। इस द्वीप में अंगरेज़ों ने इंगलिस्तान के निवासियों को लाकर बसाया है॥

४ न्यूज़ीलेण्ड के द्वीप यह आस्ट्रेलिया के पूर्व पश्चिमी गोलार्द्ध में हैं और इन में २ बड़े द्वीप हैं जिनके बीच में कुक्स का मुहाना है। यहां बहुधा इंगलिस्तान के मनुष्य बस्ते हैं और शेष मुख्य निवासी यहां के मलायावालों की संतान से हैं। यहां पर सोना, कोयला बहुतायत से पाया जाता है॥

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

मलेशिया का वर्णन

मलेशिया कई द्वीपों का नाम है जो हिंद के सागर और पासिफ़िक महासागर के बीच एशिया की आग्नेय दिशा में हैं और उनका वर्णन संक्षेप से नीचे किया जाता है ॥

१ सुमाचा यह द्वीप अंगरेज़ों के अधिकार में है और इस में बंगोलिन शहर प्रसिद्ध है ॥

२ जावा यह द्वीप डच के अधिकार में है। इस में काली मिर्च और कर्पूर का बड़ा बनज होता है ॥

३ बोर्नियू यह द्वीप आस्ट्रेलिया को छोड़ और सारी पृथ्वी के द्वीपों से बड़ा है परंतु प्रसिद्ध कम है इस में एक भांति का बंदर मनुष्य के डील से बड़ा होता है और इस में हीरे, सोने की खानि हैं ॥

४ स्लीवेज़ इस द्वीप में भांति २ के वृक्ष उत्पन्न होते हैं जिन से हलाहल निकलता है ॥

५ तैमूर ॥

६ मलकस के द्वीप और बांदा के द्वीप कि ये दोनों समूह मसाहने के द्वीप कहाते हैं और डच के अधिकार में यह द्वीप इस कारण से अधिक प्रसिद्ध कि इस में गरम मसाले, लोंग, जायफल आदि का बड़ा बनज होता है। मलकस के द्वीपों में अमूनिया बड़ा द्वीप है ॥

७ फ़िलपायन के द्वीप ये कई द्वीप हैं जिन में से मंदना और लूज़न २ द्वीप बड़े हैं। यहां ईख बहुतायत से उत्पन्न होती है। लूज़न का प्रसिद्ध शहर मनीला है ॥

(प्रकट हो) कि इन सब द्वीपों को १ ईस्टर्न आर्की पीलागू अर्थात् पूर्वी द्वीपसमूह कहते हैं ॥

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

पौलनेशिया का वर्णन

पौलनेशिया उन द्वीपों के समूह का नाम है जो मध्यरेखा के दोनों ओर पासिफ़िक महासागर में अलग २ और अपरमित हैं पौलनेशिया का अर्थ भी द्वीपों का समूह है। इन में से बहुतेरे द्वीप मूंगे से बने हैं और उनकी चटानें द्वीपों के चारों ओर हैं और वे चटानें वहां के निवासियों को समुद्र के भय से बचाती हैं। पहिले इन द्वीपों में बड़े २ पशु न थे परंतु अब यूरोपवालों ने लाकर फैलाये हैं। इन द्वीपों के निवासी २ प्रकार के हैं अर्थात् जो द्वीप पश्चिम की ओर हैं उन में हब्शी और जो पूर्व की ओर हैं उन में मलाया के निवासियों की संतान से हैं। पौलनेशिया में प्रसिद्ध द्वीप इस क्रम से हैं कि मध्यरेखा के उत्तर ओर एशिया और अमरीका के बीच में लडरून के द्वीप, पालू के द्वीप, सांडविच के द्वीप और मध्यरेखा के दक्षिण ओर अमरीका और आस्ट्रलेशिया के मध्य में फ़्रिंडली के द्वीप सुसाईटी के द्वीप मार्क्वीज़स के द्वीप हैं। जिन दिनों में पहिले पहल यूरोपवाले इन द्वीपों में गये उन दिनों यहां के निवासी मूर्त्ति-पूजक थे परंतु अब सुसाइटी और सांडविच के द्वीपों के निवासियों ने मूर्त्तियों को खंडित कर दिया और बहुतेरों ने ईसाई मत धारण कर लिया॥

(प्रकट हो) कि स्थल के संपूर्ण भागों का वर्णन हो चुका अब पृथ्वी के जिस २ स्थान पर महारानी विक्टोरिया का अधिकार है उसका व्यौरा यह है कि औत्तरीय हिम महासागर में हिलीगोलैण्ड द्वीप और अटलांटिक महासागर में ब्रिटन के द्वीप और रूम महासागर में जबलतारक, माल्टा, गोज़ू और

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

औत्तरीय अमरीका में कनेडा आदि जो ब्रिटिश अमरीका कहलाते हैं औ हिंद्वेसि और पश्चिमी हिन्दुस्तान में जमीका, बार्बी-डोज़ ब्रनइदद आदि द्वीप हैं और दाक्षिणीय अमरीका में ग्याना फ़ाकलेण्ड के द्वीप और अटलांटिक महासागर में सेंटहलीना द्वीप और अफ़्रीक़ह में सेराल्यूनिया, गेंबिया कोस्ट अंतरीप, गुडहोप अंतरीप और एशिया में बहुधा भाग हिन्दुस्तान का और अराकान, पीगू, मोलमीन, मलाका आदि की कमिश्नरी और हिन्द के महासागर में इदन, मोरीसस, क्रीप, लंका, पीनाग, सिंगापुर द्वीप और पासिफ़िक महासागर में आस्ट्रेलिया, वेण्ड-मेज़लेण्ड न्यूगनी ये द्वीप हैं ॥

अलमिति द्वितीय भाग:

इश्तिहार

(प्रकट हो) कि क़ानून २० सन् १८४७ ईसवी के अनुसार इस जगद्गोल को कोई दूसरा मनुष्य इस पुस्तक के कर्त्ता मुन्शी ईश्वरी प्रसाद सर्वेग मास्टर मदर्सह दस्तूर तालीम की आज्ञा के बिना छाप नहीं सकता ॥

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

No. 91

Digitized by eGangotri and Sarayu Trust.

सूचीपत्र

	आशय	पृष्ठ	आशय	पृष्ठ
एशिया का वर्णन	एशिया	१	नदी पर्वतादि	२
	ब्रह्मा देश	७	स्याम देश	८
	मलाया देश	८	कोचीन का राज्य	९
	चीन का राज्य	९	जापान देश	१०
	रूम देश	११	अफ़ग़ानिस्तान	११
	तूरान देश	१२	ईरान	१२
	अरब देश	१४	रूम देश	१४
पृथ्वी के गोले का वर्णन	पृथ्वी का आकार	१६	पृथ्वी के गोले की रेखाओं का वर्णन	१६
	अक्षांश और देशांतरांश	२२	तल बिभाग	२७
	स्थल बिभाग	२६	दुनिया के प्रसिद्ध द्वीप	३०
यूरोप का वर्णन	यूरोप	३१	नदी पर्वतादि	३२
	देश	३३	देशों का नक़शह	३७
	अफ़्रीक़ह का वर्णन	४०	देश	४२
अमरीका का वर्णन	अमरीका	४३	औत्तरीय अमरीका	४३
	दाक्षिणीय अमरीका	४६	पश्चिमी हिन्द के द्वीप	४[illegible]
	ओशियानीका	४८	आस्ट्रेलेशिया	४९
	मलेशिया	५०	पोलनेशिया	५१
	क्वीन विकटोरिया के राज्य का ब्योरा			५१ ५[illegible]

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE